चार्ट जनवरी 2020

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा ?																															
2. व्यर्थ से सदा मुक्त समर्थ स्थिति में रहे ?																															
3. हरेक के पार्ट को देख साक्षीद्रष्टा रहे ?																															
4. कर्म करते कर्मयोगी स्थिति रही ?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया ?																															

चलते-फिरते विशेष प्रैक्टिस :-

मुझ परम पवित्र फरिश्ते से सारे विश्व में पवित्रता के वायब्रेशन फैल रहे हैं....।

विशेष प्रैक्टिस – *मैं आत्मा देह से निकली, परमधाम में शिव बाबा के साथ कम्बाइंड होकर फुलचार्ज हुई, फिर वापस अपनी देह में, फिर ऊपर बाबा के पास, फिर वापस अपनी देह में..... यह प्रैक्टिस बार-बार करनी है।*

1. मैं मास्टर सर्वशक्तिवान, शिवशक्ति कम्बाइंड हूं।
2. मैं शक्ति और शान्ति का स्तंभ, शांतिदूत हूं।
3. मैं सकाशदाता, महादानी, वरदानीमूर्त हूं।
4. मैं विश्वकल्याणकारी, पूर्वज आत्मा हूं।
5. मैं गोपीवल्लभ की गोपिका, मास्टर प्यार का सागर हूं।
6. मैं परमात्म दिलतख्तनशीन, प्रभू प्यार में लवलीन हूं।
7. मैं उड़ता पंछी, अवतरित आत्मा हूं।
8. मैं देह से न्यारी, परमात्म प्यारी, अशरीरी आत्मा हूं।
9. मैं चलता-फिरता लाइट हाउस, प्रकाशमय कायाधारी हूं।
10. मैं सूक्ष्मवतनवासी, परम पवित्र फरिश्ता हूं।
11. मैं देह से न्यारी विदेही परमधाम निवासी श्रेष्ठ आत्मा हूं।
12. मैं मास्टर बीजरूप, विचित्र, चरित्रवान आत्मा हूं।
13. मैं विकर्माजीत, कर्मबन्धनमुक्त आत्मा हूं।
14. मैं प्रकृतिजीत, कर्मातीत आत्मा हूं।
15. मैं सर्व प्राप्ति संपन्न बाप समान तृप्त आत्मा हूं।
16. मैं सर्वंश त्यागी आत्मा साक्षात्कारमूर्त हूं।
17. मैं बाप समान निराकारी, निर्विकारी, निरंहकारी हूं।
18. मैं नष्टोमोहा स्मृतिस्वरूप, समर्थ आत्मा हूं।
19. मैं अंतर्मुखी, सर्वशक्तियों से संपन्न मस्तकमणी हूं।
20. मैं एकान्तप्रिय, निरंतर तीव्र पुरुषार्थी आत्मा हूं।
21. मैं सदा जागती ज्योति अकालतख्तनशीन हूं।
22. मैं स्वराज्य अधिकारी शक्तिशाली आत्मा हूं।
23. मैं खुशनसीब आत्मा, उड़ता योगी हूं।
24. मैं शुभ चिंतन के खजाने से संपन्न शुभचितंकमणि हूं।
25. मैं परोपकारी, गुणग्राहक आत्मा हूं।
26. मैं स्वदर्शनचक्रधारी, साक्षीद्रष्टा आत्मा हूं
27. मैं मास्टर नॉलेजफुल, त्रिकालदर्शी आत्मा हूं।
28. मैं निमित्त, निर्माण, ट्रस्टी आत्मा हूं।
29. मैं मालिक सो बालक, सेवाधारी हूं।
30. मैं पवित्रता का सूर्य, मास्टर पतित-पावन हूं।
31. मैं पवित्रता का सागर, परम पवित्र आत्मा हूं।

ओम् शान्ति